हनुमान जी की आरती

आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
जाके बल से गिरिवर कांपे | रोग-रोष जाके निकट न झांके ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
अञ्जनि पुत्र महा बलदाई | संतन के प्रभु सदा सहाई ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
दे बीरा रघुनाथ पठाये | लंका जारि सिया सुधि आये ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
लंका सो कोटि समुद्र सी खाई | जात पवनसुत वार न लाई ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
लंका जारि असुर संघारे | सीता रामजी के काज सँवारे ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे | आनि संजीवन प्रान उबारे ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
पैठि पाताल तोरि जम कारे | अहिरावण की भुजा उखारे ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
बायें भुजा असुरदल मारे | दाईं भुजा संत जन तारे ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
सुर नर मुनिजन आरती उतारें | जय जय जय हनुमान उचारें ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
कंचन थार कपूर की बाती | आरती करत अंजना माई ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
जो हनुमान जी की आरती गावैं | बसि बैकुण्ठ अमर पद पावैं ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||
लंका विध्वंस किये रघुराई | तुलसीदास स्वामी कीर्ति गाई ||
आरती काजै हनुमान लाला की | दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ||